भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 532

दिनांक 21.07.2022 को उत्तर देने के लिए

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान भारतीयों की नौकरी जाना

532. श्री जी.सी. चन्द्रशेखर:

श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जून 2020 और दिसंबर, 2021 के बीच विदेशों से वापस आए प्रवासी भारतीय मजदूरों की देश-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने कोविड-19 संकट के दौरान विदेशों में भारतीयों द्वारा नौकरी खोने के बारे में आंकलन किया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या सरकार ऐसा करने का विचार रखती है; और

(घ) जून 2020 से दिसंबर,2021 के बीच खाड़ी देशों में काम करने के लिए भारत छोड़ने वाले लोगों की संख्या का देश-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री वी. मुरलीधरन]

(क) से (घ) ई-माइग्रेट प्रणाली में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार जून 2020 से दिसंबर 2021 के बीच ईसीआर देशों से लौटने वाले भारतीय प्रवासी कामगारों की संख्या नीचे दी गई है:

क्र.सं.	देश	भारतीय कामगारों की अनुमानित संख्या
1.	अफ़ग़ानिस्तान	1
2.	बहरीन	11,749
3.	इंडोनेशिया	7
4.	इराक	342
5.	जॉर्डन	2,243
6.	कुवैत	51,206
7.	लेबनान	210
8.	मलेशिया	9,228
9.	ओमान	46,003

10.	कतर	32,361
11	सऊदी अरब	1,18,064
12.	सूडान	1
13.	थाईलैंड	18
14.	संयुक्त अरब अमीरात	1,52,126
	कुल	**4,23,559**

महामारी के दौरान यह सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता थी कि भारतीय कामगारों पर रोजगार के नुकसान के प्रभाव को कम किया जाए। इस दिशा में, मंत्रालय और खाड़ी देशों में मौजूद हमारे सभी मिशन लगातार खाड़ी देशों की सरकारों के संपर्क में रहे हैं ताकि श्रमिक वहां रह सके, उनकी सलामती सुनिश्चित की जा सके और उनको देय वित्तीय भुगतान सुकर बनाया जाए।

विदेश मंत्रालय ने कोविड-19 महामारी के दौरान नागर विमानन मंत्रालय के सहयोग से वंदे भारत मिशनों (वीबीएम) द्वारा विदेश में फंसे नागरिकों की सुरक्षित भारत वापसी को सुविधाजनक बनाया। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई), नागर विमानन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की संयुक्त पहल के रूप में स्किल्ड वर्कर्स अराइवल डेटाबेस फॉर एम्प्लॉयमेंट सपोर्ट (एसडबल्यूएडीईएस) पोर्टल शुरू किया है, जिसका उद्देश्य ऐसे भारतीय नागरिकों के कौशल सेट और अनुभव के आधार पर डेटाबेस बनाना है, जिनकी नौकरी छूट गयी और विदेशों में फंस गए तथा वीबीएम के माध्यम से भारत वापस लौटे हैं।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों के नियोक्ता से संपर्क स्थापित करने के लिए सभी भागीदारों का विवरण आत्मनिर्भर कुशल कर्मचारी नियोक्ता मैपिंग (एएसईईएम) पोर्टल पर अपलोड करके एसडबल्यूएडीईएस उम्मीदवार डेटाबेस की सुविधा प्रदान की गई है।

हालांकि बड़ी संख्या में विशेष रूप से खाड़ी में रहने वाले भारतीय कामगार कोविड-19 के कारण भारत लौट आए, तथापि उस क्षेत्र के आर्थिक संकट से उबरने और भारत से यात्रा करने के लिए अधिक से अधिक छुट के कारण बहुत से कामगार वापस लौट गए हैं। ई-माइग्रेट पोर्टल के अनुसार 1 जनवरी 2020 से 30 जून 2022 के दौरान ईसीआर देशों के लिए कुल 4,16,024 व्यक्तियों को उत्प्रवास अनापति (ईसी) जारी की गई ।

ई -माइग्रेट प्रणाली में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार जून 2020 और दिसंबर 2021 के दौरान 6 खाड़ी देशों में काम करने के लिए भारत छोड़ने वाले लोगों की संख्या नीचे दी गई है:

क्र.सं.	**देश**	**भारतीय कामगारों की अनुमानित संख्या**
1.	बहरीन	8,158
2.	कुवैत	10,160
3.	ओमान	21,340
4.	कतर	51,496

5.	सऊदी अरब	36,451
6.	संयुक्त अरब अमीरात	13,567
	कुल	**1,41,172**

*****